Daily Current Affairs

Date : 23 December, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	अरावली पहाड़ियाँ : पारिस्थितिकी की रक्षा और सतत विकास के लिए आवश्यक
2.	राजस्थान में लागू हुआ 'सेक्टोरल ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज'
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. स्वदेशी गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस 2. ओडिशा में 'मारवाड़ महोत्सव 2025' 3. SMS अस्पताल 'ऑक्सफोर्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में 4. राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित प्रमुख महोत्सव 5. डॉ. संदीप बक्शी 6. प्रथम 'ग्राम स्वास्थ्य सेवा यात्रा' : बाड़मेर 7. निर्मल वर्मा 'सिनेमैटिक इम्पैक्ट अवॉर्ड फ़ॉर एनिमल वेलफेयर' से सम्मानित 8. एलिट मिस राजस्थान 2025 विजेता : देबोस्मिता 9. शाहाबाद तलहटी कंजर्वेशन रिजर्व में हर्बीबोर एनक्लोजर
4.	डॉप्लर मौसम रडार (DWR)
5.	बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो
6.	सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM)
7.	कुट्टनाड वेटलैंड कृषि प्रणाली
8.	राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर
9.	भारत-बांग्लादेश संबंधों का भविष्य: विदेश मंत्रालय पर संसदीय समिति
10.	पारंपरिक चिकित्सा पर WHO का दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन
11.	ऑटोफैगी
12.	अंजदीप जहाज
13.	खनिज एवं धातुओं में आत्मनिर्भरता पर रिपोर्ट
14.	विवेक मेनन
15.	सेल: 8 राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित
16.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. जीआई टैग प्राप्त देसी नींबू: कर्नाटक 2. स्मृति मंथाना 3. काशिवाजाकी कारिवा न्यूक्लियर प्लांट 4. INSV कौडिन्य 5. बनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क 6. डॉ. किशोर पाकनीकर

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

अरावली पहाड़ियाँ : पारिस्थितिकी की रक्षा और सतत विकास के लिए आवश्यक

चर्चा में क्यों?

- सर्वोच्च न्यायालय ने 20 नवंबर, 2025 के अपने फैसले में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सिफारिश को स्वीकार किया कि केवल वे ही भू-आकार/हिल्स जो स्थानीय ऊँचाई से 100 मीटर या अधिक ऊँचाई पर स्थित है, उन्हें ही 'अरावली हिल्स' के रूप में माना जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- इस परिभाषा के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से शुरू होकर हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक विस्तृत 692 किलोमीटर लंबी पर्वत शृंखला की 100 मीटर से कम की छोटी पहाड़ियाँ और ढलानें अब 'अरावली' नहीं मानी जाएंगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इस नई ऊँचाई-आधारित परिभाषा से लगभग 90 प्रतिशत अरावली क्षेत्र 'अरावली' के दायरे से बाहर हो सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- न्यायालय के निर्णय के विरोध में पूरे राजस्थान में स्थानीय समुदायों और पर्यावरण संगठनों द्वारा 'अरावली बचाओ अभियान' की शुरुआत की गई।

राजस्थान में अरावली की परिभाषा :

- केवल राजस्थान में ही अरावली में खनन को विनियमित करने के लिए एक औपचारिक परिभाषा तय की गई है। यह परिभाषा राज्य सरकार की वर्ष 2002 की समिति रिपोर्ट पर आधारित थी, जो 'रिचर्ड मर्फी लैंडफ़ॉर्म वर्गीकरण' पर आधारित थी।
- इसमें स्थानीय ऊँचाई से 100 मीटर ऊपर उठने वाले सभी लैंडफ़ॉर्म को पहाड़ के रूप में पहचाना गया और उसके आधार पर, पहाड़ों और उनकी सहायक ढलानों पर खनन संबंधी रोक लगाई गई।
- राजस्थान 9 जनवरी, 2006 से इस परिभाषा का पालन कर रहा है।
- इस परिभाषा में अरावली रेंज को उन सभी भू-आकृतियों के रूप में समझाया गया है जो 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊँचाई वाली दो आस-पास की पहाड़ियों के 500 मीटर के दायरे में मौजूद हैं। इस 500 मीटर के जोन में मौजूद सभी भू-आकृतियों को उनकी ऊँचाई और ढलान की परवाह किए बिना, माइनिंग लीज़ देने के मकसद से बाहर रखा गया है।

अरावली पर्वतमाला के बारे में:

- अरावली पहाड़ियाँ और पर्वत श्रृंखलाएँ भारत की सबसे पुरानी भूवैज्ञानिक संरचनाओं में से एक हैं।
- अरावली पर्वतमाला को मेरू, आडावाला एवं विष्णु पुराण में 'परिपात्रा (Paripatra)' भी कहा गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अरावली का निर्माण यूरेशियन प्लेट एवं इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट के अभिसरण से हुआ है। अरावली एक प्राचीनतम, वलित एवं अवशिष्ट पर्वतमाला है।

- **निर्माण काल के अनुसार** → **प्राचीनतम (Oldest)**
- **निर्माण प्रक्रिया के अनुसार** → **वलित (Folded)**
- **वर्तमान स्थिति के अनुसार** → **अवशिष्ट (Residual)**

अरावली सतत् रूप से खेड़ ब्रह्मा (गुजरात) से रायसीना हिल्स (दिल्ली) तक विस्तृत है।

- **कुल लम्बाई – 692 किमी.**
- **राजस्थान में लम्बाई – 550 किमी. (80 प्रतिशत हिस्सा)**
- **औसत ऊँचाई – 930 मीटर**

उत्तरी अरावली	मध्य अरावली	दक्षिणी अरावली
■ झुंझुनूं व जयपुर के मध्य विस्तृत।	■ जयपुर व राजसमन्द के मध्य विस्तृत।	■ राजसमन्द व सिरोही के मध्य विस्तृत।
सर्वोच्च चोटी- ■ रघुनाथगढ़ (1055 मी.) (सीकर)	■ इसे मेरवाड़ा अरावली भी कहते हैं। ■ विस्तार – अजमेर, ब्यावर, टोंक।	■ सर्वोच्च चोटी – गुरु शिखर (राजस्थान की सबसे ऊँची चोटी)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

	सर्वोच्च चोटी – ■ टॉडगढ़ (934 मी.) ■ तारागढ़ (873 मी.) ■ नाग पहाड़ (795 मी.)	■ दक्षिणी अरावली को पुन: दो भागों में बाँटा गया है- (i) आबू अरावली (सिरोही व पाली) (ii) मेवाड़ अरावली (उदयपुर, राजसमंद व सलूम्बर)

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- राजस्थान सरकार द्वारा राज्य बजट 2025-26 में 'ग्रीन अरावली डवलपमेंट प्रोजेक्ट' के लिए ₹250 करोड़ की स्वीकृति दी गई।
- **अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट :** मार्च, 2023 में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर 'अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट' को लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य चार राज्यों में अरावली हिल रेंज के आसपास 5 किमी. के बफर क्षेत्र में हरियाली का विस्तार करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में लागू हुआ 'सेक्टोरल ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज'

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य में 'सेक्टोरल ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज' को लागू किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- ज्ञातव्य है कि यह कन्सेप्ट केन्द्रीय प्रशासन में सुशासन स्थापित करने में एक अत्यंत सफल मॉडल सिद्ध हुआ है। राज्य के प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग ने 7 'सेक्टोरल ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज' के गठन के आदेश जारी किए हैं।
- **उद्देश्य :** विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल और प्रभावी शासन सुनिश्चित करना है।
- **'सेक्टोरल ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज' का प्रशासनिक विभाग :** आयोजना विभाग, राजस्थान सरकार।
- इस मॉडल को राज्य में 'विकसित राजस्थान@2047' के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीति, मध्यकालिक और दीर्घकालिक कार्य-योजना एवं मुख्य निष्पादन संकेतक (की परफोर्मिंग इंडिकेटर्स) बनाने, अंतर-विभागीय मुद्दों के निस्तारण, बजट घोषणाओं व राजस्थान संकल्प पत्र-2023, फ्लैगशिप योजनाओं तथा समान उद्देश्यों वाली योजनाओं के युक्तिकरण एवं विलय की समीक्षा करने के लिए अपनाया जा रहा है।
- **ग्रुप ऑफ सेक्रेट्रीज को संबंधित विभाग के सचिव के नेतृत्व में मुख्य रूप से 7 समूहों में बाँटा गया है:**
  - **समूह 1 :** ग्रामीण विकास और कृषि।
  - **समूह 2 :** अवसंरचना और उद्योग एवं वाणिज्य।
  - **समूह 3 :** संसाधन।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **समूह 4 :** समाज कल्याण।
- **समूह 5 :** वित्त एवं अर्थव्यवस्था।
- **समूह 6 :** शासन एवं प्रौद्योगिकी।
- **समूह 7 :** सुरक्षा से जुड़े विभाग।

कार्य:

- ये समूह 'विकसित राजस्थान@2047' हेतु रणनीति, कार्य-योजना एवं मुख्य निष्पादन संकेतक (KPI) तैयार करेंगे ताकि इसके लक्ष्यों को बेहतर समन्वय से निर्धारित समय सीमा में प्राप्त किया जा सके।
- प्रत्येक समूह के लिए एक संयोजक और एक सह-संयोजक बनाए गए हैं, जो समूह के सदस्यों के साथ अपने स्तर पर बैठकें करेंगे और प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों सहित कार्य योजना का सारांश तैयार करेंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**स्वदेशी गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस** ■ 22 दिसंबर, 2025 को राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में झालावाड़ में आयोजित 'महिला सशक्तीकरण सम्मेलन' के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डग में स्थित पशु अनुसंधान केन्द्र में स्वदेशी गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना किए जाने की घोषणा की। ■ इस केंद्र में मालवी और गिर गौवंश सहित अन्य स्थानीय नस्लों के संरक्षण, उन्नयन एवं सुधार के कार्य होने के साथ-साथ आधुनिक डेयरी, प्रजनन, कृत्रिम गर्भाधान आदि अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। ■ राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना पर लगभग 15 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।
2.	**ओडिशा में 'मारवाड़ महोत्सव 2025'** ■ ओडिशा के संबलपुर में 18 से 22 दिसंबर, 2025 तक 'मारवाड़ महोत्सव 2025' का आयोजन किया गया। ■ इस महोत्सव के समापन समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाग लिया। ■ **आयोजक :** मारवाड़ी युवा मंच और राजस्थान फाउंडेशन। ■ 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' विषय के तहत एक सांस्कृतिक संगम के रूप में यह महोत्सव ओडिशा, राजस्थान और हरियाणा की परंपराओं को एक साथ लाता है। ■ यह महोत्सव सांस्कृतिक एकता, लोक परंपरा और भारतीय गौरव का अद्वितीय संगम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	**SMS अस्पताल 'ऑक्सफोर्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में** ■ हाल ही में, जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेन्टर स्थित स्किल लैब एवं रोटरी क्लब को एक ही दिन में 1908 लोगों को बेसिक लाइफ सपोर्ट का प्रशिक्षण देने पर 'आक्सफोर्ड बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में शामिल किया गया। ■ **नोट :** सवाई मान सिंह अस्पताल को न्यूरोट्रोमा सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा न्यूरोट्रोमा व ट्रोमा सेंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु 'सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार 2025' से भी सम्मानित किया जा चुका है।
4.	**राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित प्रमुख महोत्सव** ■ रणकपुर जवाई डैम फेस्टिवल 2025 (रणकपुर जैन मंदिर, पाली) : 21 और 22 दिसम्बर, 2025 तक। ■ इस महोत्सव में जोधपुर के नरसिंह चौहान को 'मूंछ श्री' का अवॉर्ड प्रदान किया गया। ■ **बनास महोत्सव 2025 (टोंक) :** 24 दिसंबर, 2025 को। ■ **सांभर महोत्सव 2025 (सांभर झील) :** 27 से 31 दिसंबर, 2025 तक। ■ **विंटर फेस्टिवल 2025 (माउंट आबू) :** 29 से 31 दिसंबर, 2025 तक।
5.	**डॉ. संदीप बक्शी** ■ भारत की लीडरशिप मैगजीन 'CEO इनसाइट्स' द्वारा जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (JNU) के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी को 'यूनिवर्सिटीज के चांसलर्स 2025' श्रेणी में सम्मानित किया गया। ■ यह सम्मान देश के उन शिक्षाविदों को दिया जाता है, जो अपने दूरदर्शी नेतृत्व और नई सोच के जरिए शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।
6.	**प्रथम 'ग्राम स्वास्थ्य सेवा यात्रा' : बाड़मेर** ■ हाल ही में, सीमा सुरक्षा बल, सीमाजन कल्याण समिति एवं नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के आपसी समन्वय द्वारा बाड़मेर के सीमा क्षेत्र में आवश्यक सेवाएँ पहुँचाने के उद्देश्य 'प्रथम ग्राम स्वास्थ्य सेवा यात्रा' का आयोजन किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

7.	**निर्मल वर्मा 'सिनेमैटिक इम्पैक्ट अवॉर्ड फ़ॉर एनिमल वेलफेयर' से सम्मानित** ■ हाल ही में, सीकर निवासी वन्यजीव डॉक्यूमेंट्री फिल्मकार निर्मल वर्मा को उनकी फ़िल्म 'द कीपर ऑफ़ द लास्ट हर्ड' के लिए सिनेमैटिक इम्पैक्ट अवॉर्ड फ़ॉर एनिमल वेलफेयर से सम्मानित किया गया। ■ **समारोह :** कोलकाता में आयोजित फर्स्ट साइनकाइंड अवॉर्ड सेरेमनी में प्रदान किया गया, जिसका आयोजन फिल्म फेडरेशन ऑफ़ इंडिया और पीपल फ़ॉर एनीमल्स द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।
8.	**एलिट मिस राजस्थान 2025 विजेता : देबोस्मिता** ■ **आयोजन :** मानसरोवर (जयपुर)। ■ **विजेता :** देबोस्मिता। ■ **फर्स्ट रनर अप :** लक्ष्मी विजय।
9.	**शाहाबाद तलहटी कंजर्वेशन रिजर्व में हर्बीबोर एनक्लोजर** ■ वन विभाग द्वारा बारां जिले के शाहाबाद तलहटी कंजर्वेशन रिजर्व में हर्बीबोर (शाकाहारी वन्यजीव) एनक्लोजर का विकास किया जा रहा है। इस एनक्लोजर में पैंथर के लिए प्रे-बेस (शिकार का दायरा) बढ़ाया जाएगा। ■ शाहाबाद तलहटी प्रदेश में सघन वन के लिए प्रसिद्ध है। करीब 17,884 हैक्टेयर में विस्तृत इस कंजर्वेशन रिजर्व में 19 हैक्टेयर में एनक्लोजर बनाया जा रहा है। जिसमें हिरण, सांभर, चीतल आदि शाकाहारी वन्यजीवों को अन्य स्थानों से लाकर छोड़ा जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

डॉप्लर मौसम रडार (DWR)

चर्चा में क्यों?

- वर्तमान में भारत में 47 डॉप्लर मौसम रडार संचालित हैं। इनके माध्यम से देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 87% हिस्सा रडार के प्रभाव में आ चुका है।

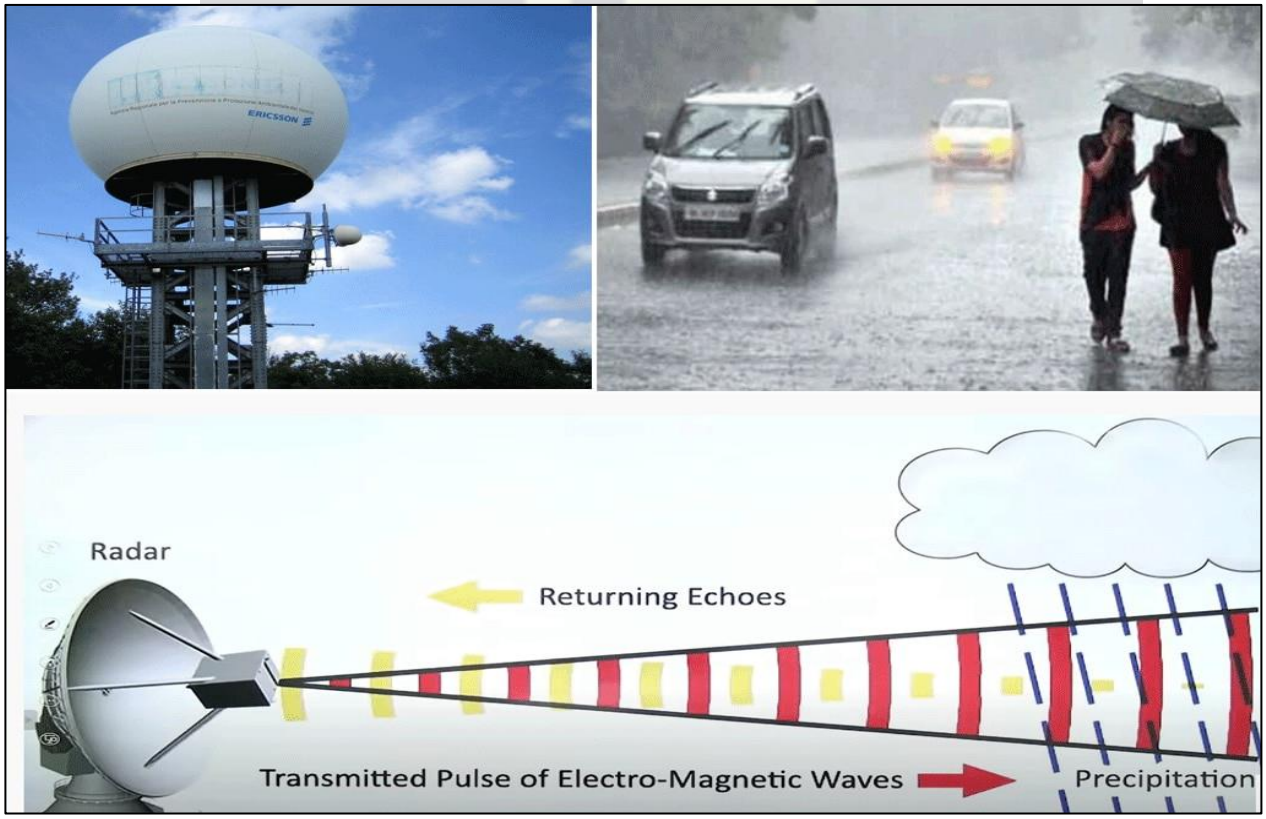

मुख्य बिन्दु:

डॉप्लर मौसम रडार (DWR)

- ये ज़मीन पर स्थापित रडार प्रणालियाँ हैं। इनका उपयोग मौसम विज्ञान संगठन वर्षा, तड़ितझंझा, चक्रवात आदि का पूर्वानुमान लगाने के लिए करते हैं।
- ये रडार लक्षित मौसम प्रणाली की स्थिति के साथ-साथ उनकी गति के बारे में भी जानकारी प्रदान करते हैं।
- भारत में भारत मौसम -विज्ञान विभाग द्वारा विभिन्न आवृत्तियों वाले (S-बैंड, C-बैंड और X-बैंड) डॉप्लर मौसम रडार का सामान्य रूप से उपयोग किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो

चर्चा में क्यों?

- जहाजों और पत्तन सुविधाओं की सुरक्षा के लिए एक समर्पित निकाय, पत्तन सुरक्षा ब्यूरो का गठन किया जाएगा।

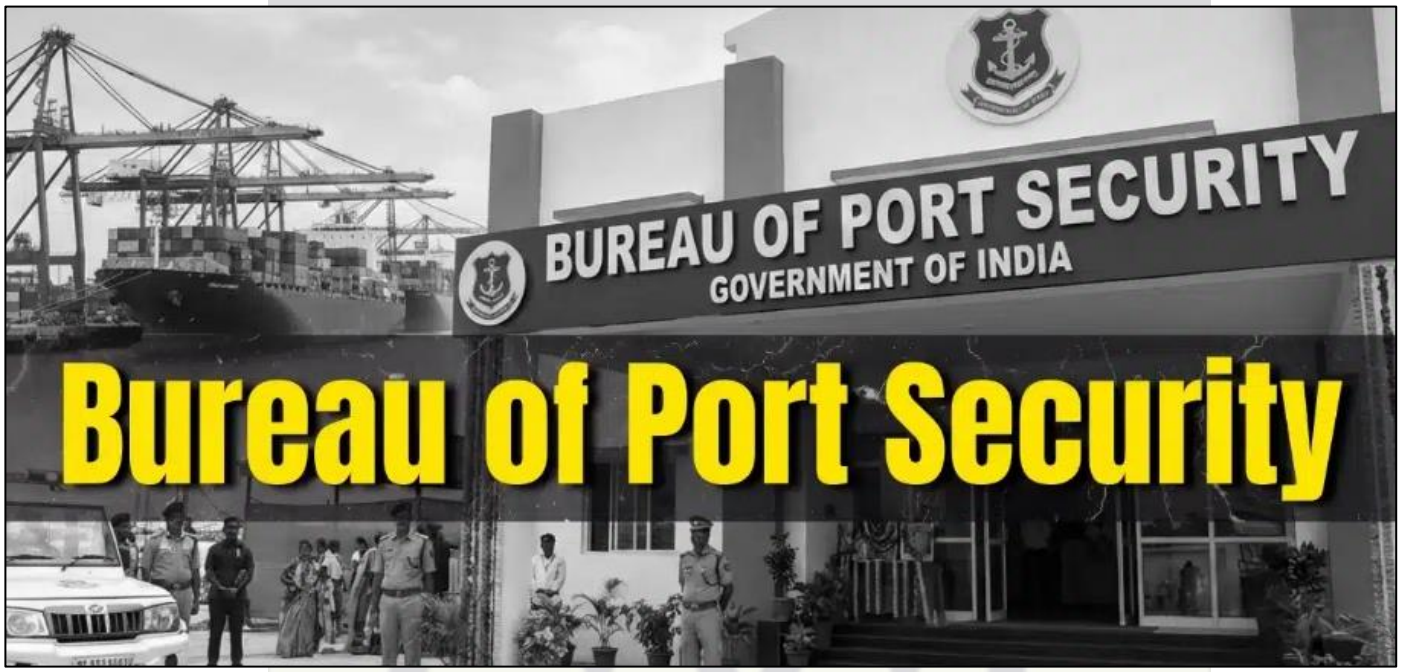

मुख्य बिन्दु:

पत्तन सुरक्षा ब्यूरो:

- **वैधानिक निकाय:** इसका गठन 'मर्चेंट शिपिंग अधिनियम, 2025' के तहत, एक वैधानिक निकाय के रूप में किया जाएगा।
- **उद्देश्य:** यह जहाजों और पत्तन सुविधाओं की सुरक्षा से संबंधित विनियामक एवं निरीक्षण कार्यों के लिए जिम्मेदार होगा।
- मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM)

चर्चा में क्यों?

- GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) ने पिछले चार वर्षों में स्क्रैप, ई-अपशिष्ट, पुराने वाहनों जैसी परिसंपत्तियों के निपटान के माध्यम से ₹2,200 करोड़ जुटाए हैं।

मुख्य बिन्दु:

GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस)

- **संरचना:** इसे वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत वाणिज्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन स्थापित किया गया है। यह एक 'सेक्शन 8 कंपनी' (कंपनी अधिनियम की धारा 8) है।
- **शुरुआत:** वर्ष 2016, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
- **कार्य:** यह विभिन्न सरकारी विभागों, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्रक के उपक्रमों द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं एवं सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा प्रदान करता है।
- **महत्व:** सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

कुट्टनाड वेटलैंड कृषि प्रणाली

चर्चा में क्यों?

- कुट्टनाड के धान के खेतों में मृदा के परीक्षणों से पता चला है कि वहां एल्यूमीनियम का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक हो गया है। उल्लेखनीय है कि कुट्टनाड के धान के खेत कुट्टनाड आर्द्रभूमि कृषि प्रणाली का हिस्सा हैं।

मुख्य बिन्दु:

- जैसे ही मृदा का pH मान 5 से नीचे गिरता है, एल्युमीनियम अधिक घुलनशील और विषाक्त हो जाता है।
- एल्युमीनियम का अत्यधिक स्तर पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंचाता है। साथ ही यह फास्फोरस, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्त्वों को ग्रहण करने की पौधे की क्षमता को बाधित भी करता है।

कुट्टनाड आर्द्रभूमि कृषि प्रणाली (केरल)

- यह भारत की एकमात्र ऐसी प्रणाली है, जिसमें धान की खेती समुद्र तल से नीचे लवणीय जल में डेल्टाई दलदलों को सुखाकर प्राप्त की गई भूमि पर की जाती है।
- इसे खाद्य और कृषि संगठन की वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली के अंतर्गत शामिल किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर

चर्चा में क्यों?

- भारत और नीदरलैंड ने गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के विकास में सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय की एक प्रमुख सांस्कृतिक और विरासत परियोजना है।
- **उद्देश्य:** विश्व स्तरीय संग्रहालय और सांस्कृतिक परिसर के माध्यम से भारत की 4500-5000 साल पुरानी समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना है।
- **अवस्थिति:** लोथल, अहमदाबाद, गुजरात।
- **विकास:** भारत के सागरमाला कार्यक्रम का हिस्सा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत-बांग्लादेश संबंधों का भविष्य: विदेश मंत्रालय पर संसदीय समिति

चर्चा में क्यों?

- संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत को बांग्लादेश में 1971 के मुक्ति युद्ध के बाद से सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- **2024 के बाद सत्ता परिवर्तन की रणनीतिक चुनौती:** भारत को बांग्लादेश में 1971 के मुक्ति युद्ध के बाद से अपनी 'सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती' का सामना करना पड़ रहा है।
- 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने से दोनों देशों के बीच एक दशक से चले आ रहे रणनीतिक गठबंधन में बाधा उत्पन्न हुई।
- नवंबर 2025 में हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद यह मुद्दा और भी जटिल हो गया।
- **बाह्य शक्तियों का प्रभाव:** रिपोर्ट बांग्लादेश में, विशेष रूप से अवसंरचना और रक्षा क्षेत्रों में, चीन और तुर्की के बढ़ते प्रभाव के बारे में चेतावनी देती है, जो भारत की पारंपरिक रणनीतिक स्थिति को कमजोर कर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **ढाका में एक नई राजनीतिक व्यवस्था का उदय:** अंतरिम सरकार ने अवामी लीग की सभी राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है, और पार्टी को फरवरी 2026 के चुनावों में चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है।
- हसीना के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) का उदय हुआ है । इसने बांग्लादेश के राजनीतिक और आर्थिक मामलों में चीन और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव के लिए रास्ते खोल दिए हैं।
- **भारत के लिए रणनीतिक स्थान का सिकुड़ना:** बांग्लादेश में नई सरकार ने अधिक राष्ट्रवादी और कम भारत अनुकूल रूख अपनाया है , जिससे द्विपक्षीय संबंधों में स्पष्ट रूप से खटास आ गई है।
- भारत विरोधी भावनाएं जोर पकड़ रही हैं, जिसके चलते सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन भारतीय राजनयिक मिशनों को निशाना बना रहे हैं, जिनमें दिसंबर 2025 में ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग में हुआ एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन भी शामिल है।
- **संपर्क और आर्थिक सहयोग खतरे में:** भारत ने 2024 में संपर्क, ऊर्जा सहयोग और व्यापार एकीकरण के महत्व पर जोर दिया, इन्हें संबंधों के स्तंभ के रूप में प्रस्तुत किया।
- भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन और सीमा पार रेल संपर्क जैसी परियोजनाओं को गहरे होते संबंधों के प्रतीक के रूप में देखा जाता था, जो अब राजनीतिक बदलावों के कारण संभावित रूप से खतरे में हैं।
- **क्षेत्रीय और सुरक्षा निहितार्थ:** बांग्लादेश भारत की 'पड़ोसी पहले' और 'एक्ट ईस्ट' नीतियों के साथ-साथ उसके इंडो-पैसिफिक विजन के लिए भी महत्वपूर्ण बना हुआ है ।
- 4,096 किलोमीटर लंबी साझा सीमा के कारण सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-विरोधी उपायों और प्रवासन पर सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है।
- **गंगा जल संधि और द्विपक्षीय सहयोग:** पैनल ने गंगा जल संधि पर चर्चा की, जिसका नवीनीकरण दिसंबर 2026 में होना है ।
- बांग्लादेश के साथ अभी तक कोई औपचारिक बातचीत शुरू नहीं हुई है, जबकि भारत ने राज्य सरकारों के साथ परामर्श शुरू कर दिया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

पारंपरिक चिकित्सा पर WHO का दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

- पारंपरिक चिकित्सा पर WHO का दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में संपन्न हुआ।

मुख्य बिन्दु:

शिखर सम्मेलन

- **पारंपरिक-चिकित्सा वैश्विक पुस्तकालय का शुभारंभ:** यह पुस्तकालय विश्व के सभी लोगों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर वैज्ञानिक डेटा, नीतिगत दस्तावेज और प्रमाणित ज्ञान समान रूप से उपलब्ध कराएगा।
- WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय भवन का उद्घाटन नई दिल्ली में किया गया।
- **माय आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल का शुभारंभ:** यह आयुष क्षेत्रक के लिए मास्टर डिजिटल पोर्टल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **आयुष मार्क का शुभारंभ:** यह आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए प्रस्तावित वैश्विक गुणवत्ता प्रमाणन मानक है।
- **दिल्ली घोषणा-पत्र को अपनाया गया:** इस घोषणा-पत्र में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को साझा जैव-सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी गई है।
- यह घोषणा-पत्र WHO की वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा-पद्धति रणनीति 2025–2034 के अनुरूप है।

पारंपरिक चिकित्सा-पद्धति

- **परिभाषा:** पारंपरिक चिकित्सा में ऐसी स्वास्थ्य देखभाल पद्धतियां शामिल हैं, जिनकी जड़ें जैव-चिकित्सा से पहले की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपराओं में निहित हैं।
- **भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां:** भारत में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आयुष क्षेत्रक नाम दिया गया है। इनमें शामिल हैं; आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (नेचुरोपैथी), यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी।
- भारत में आयुष क्षेत्रक का बाजार लगभग 43 अरब अमेरिकी डॉलर का है। मूल्य के स्तर पर पिछले एक दशक में इसका विस्तार लगभग आठ गुना हुआ है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ऑटोफैगी

चर्चा में क्यों?

- जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र के शोधकर्ताओं ने ऑटोफैगी के प्रारंभिक चरणों में शामिल एक महत्वपूर्ण प्रोटीन कॉम्प्लेक्स (एक्सोसिस्ट कॉम्प्लेक्स) की खोज की है।

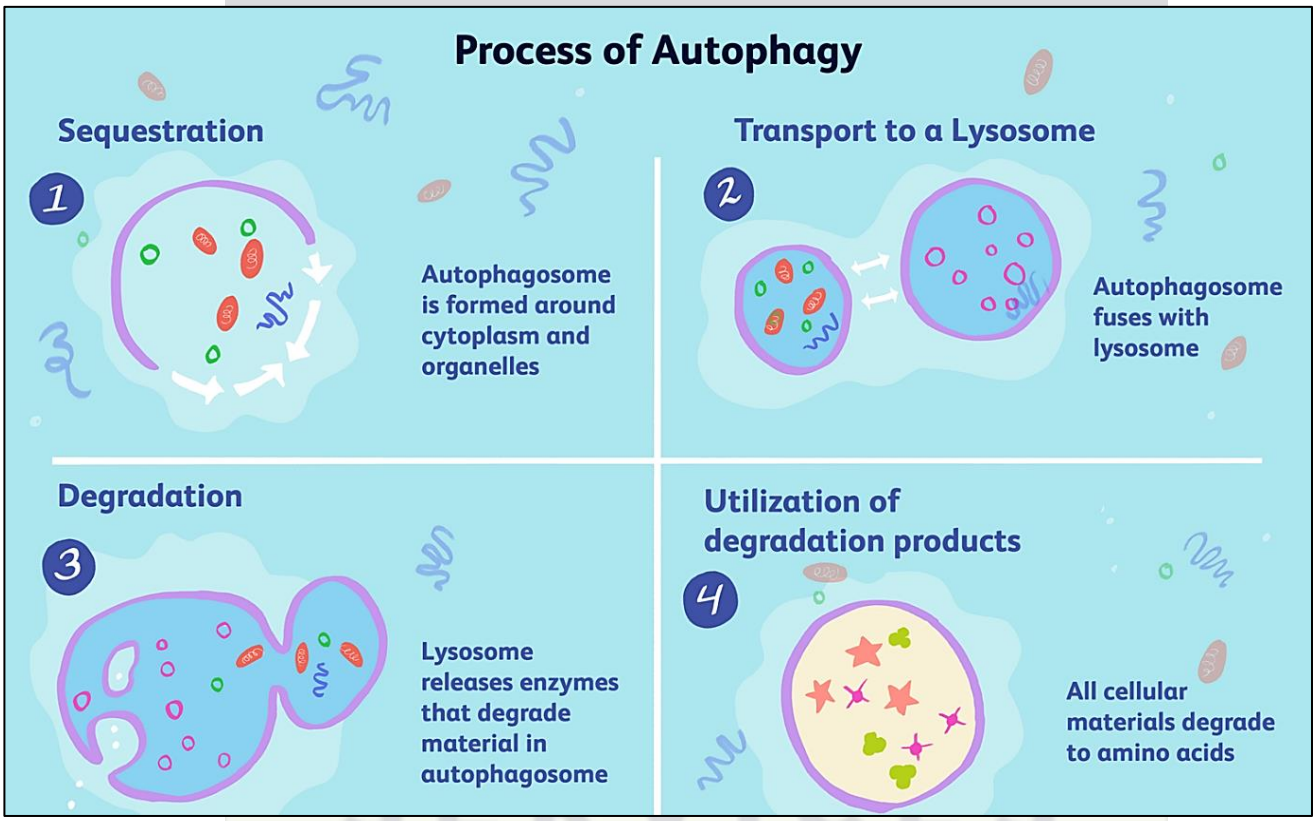

मुख्य बिन्दु:

ऑटोफैगी क्या है?

- ऑटोफैगी एक मूलभूत कोशिकीय प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त अंगों, गलत तरीके से मुड़े हुए प्रोटीन और रोगजनकों को नष्ट और पुनर्चक्रित करती हैं।
- इसे अक्सर स्व-भक्षण के रूप में वर्णित किया जाता है, यह कोशिकीय संतुलन बनाए रखने में मदद करता है, विशेष रूप से न्यूरॉन्स जैसी लंबी आयु वाली कोशिकाओं में।
- इस प्रक्रिया में ऑटोफैगोसोम नामक दोहरी झिल्ली वाली पुटिकाओं का निर्माण शामिल है, जो कोशिकीय अपशिष्ट को घेर लेती हैं और उसे अपघटन के लिए लाइसोसोम तक पहुंचा देती हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंजदीप जहाज

चर्चा में क्यों?

- स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित 8 ASW SWC पनडुब्बी रोधी उथले पानी के जहाजों में से एक यानी तीसरा अंजदीप जहाज, 22 दिसंबर, 2025 को चेन्नई में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **डिजाइन:** GRSE और मेसर्स एल एंड टी शिपयार्ड, कट्टपल्ली के सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (PPP) के तहत् इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (IRS) के वर्गीकरण नियमों के अनुसार डिजाइन व निर्मित।
- **विकास/निर्माण:** गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) कोलकाता द्वारा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- यह जहाज वर्ष 2003 में सेवामुक्त पूर्ववर्ती पेट्या श्रेणी के युद्धपोत INS अंजदीप का पुनर्जन्म है।
- **नामकरण:** कर्नाटक के कारवार तट पर स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर।
- **विशेषताएँ:**
  1. इसमें 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।
  2. लगभग 77 मीटर लंबा यह जहाज भारतीय नौसेना के सबसे बड़े वाटरजेट युद्धपोत है।
  3. अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी रॉकेट और उथले पानी के सोनार से सुसज्जित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

खनिज एवं धातुओं में आत्मनिर्भरता पर रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- कोयला, खान और इस्पात पर संसदीय स्थायी समिति ने 'खनिज एवं धातुओं में आत्मनिर्भरता' पर रिपोर्ट प्रस्तुत की। यह रिपोर्ट भारत द्वारा खनिज एवं धातुओं के आयात पर निर्भरता को कम करने तथा आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने हेतु एक रोडमैप प्रस्तुत करती है।

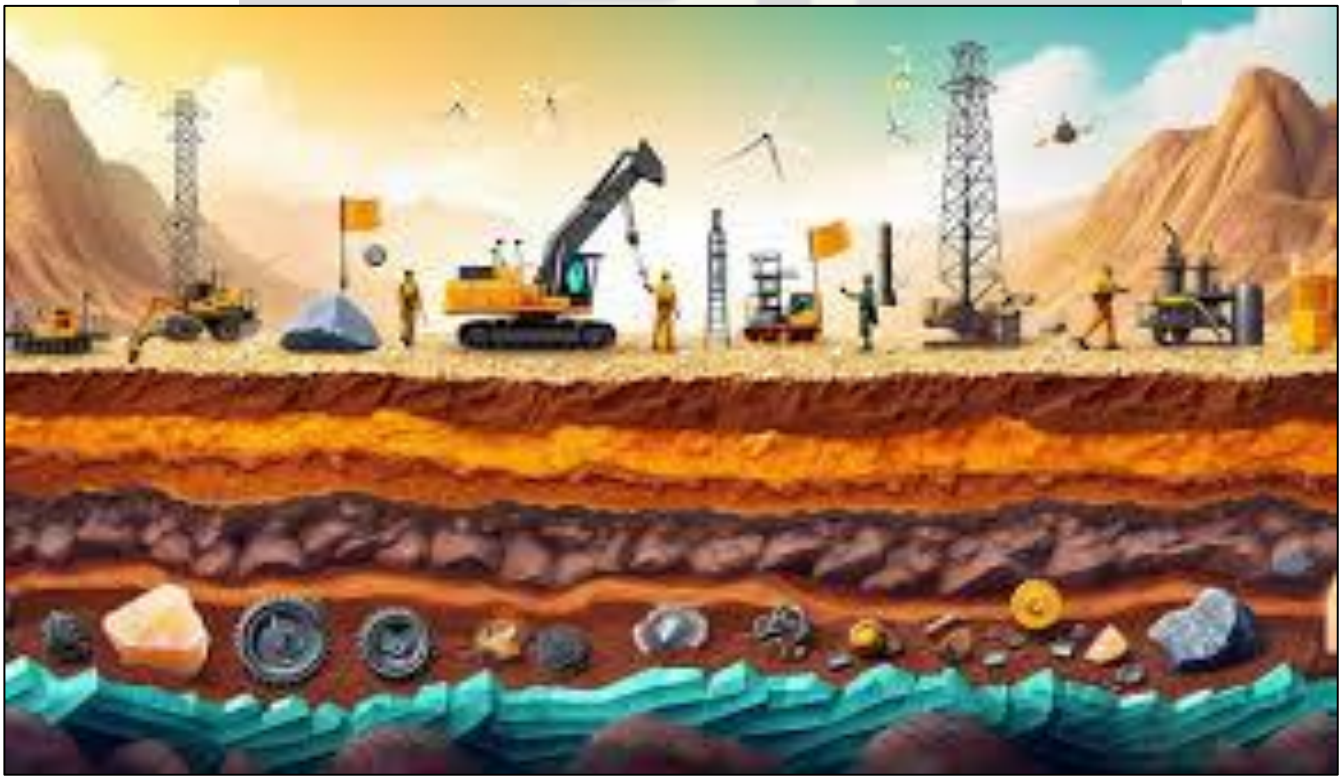

मुख्य बिन्दु:

खनिज एवं धातुओं में भारत की आत्मनिर्भरता की वर्तमान स्थिति

- भारत बॉक्साइट, क्रोमाइट, लौह अयस्क, चूना पत्थर और सिलिमेनाइट जैसे प्रमुख औद्योगिक खनिजों के मामले में बहुत हद तक आत्मनिर्भर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- मैग्नेसाइट, मैंगनीज अयस्क और रॉक फॉस्फेट जैसे कुछ खनिजों की देश में उपलब्धता कम है। देश में इन खनिजों की मांग को पूरा करने के लिए इनका आयात करना पड़ता है।
- लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे महत्त्वपूर्ण खनिजों के लिए भारत लगभग पूरी तरह से आयात पर निर्भर है।

नीतिगत कदम

- **खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में संशोधन:** पारदर्शी ई-नीलामी पद्धति की शुरुआत की गई है, तथा सभी नए खनन पट्टों के लिए 50 साल की एक समान पट्टा अवधि निर्धारित की गई है, और 29 अति-गहराई में स्थित व अति-महत्त्वपूर्ण (क्रिटिकल) खनिजों के लिए नई अन्वेषण लाइसेंस श्रेणी बनाई गई है।
- **राष्ट्रीय अति-महत्त्वपूर्ण खनिज मिशन:** (2025) इसका उद्देश्य देश में 30 चिह्नित अति-महत्त्वपूर्ण खनिजों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है।
- **विदेश में खनिज ब्लॉक का अधिग्रहण:** खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL) के माध्यम से भारत अर्जेंटीना, चिली और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में खनिज परिसंपत्तियों की खोज कर रहा है।
- खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड NALCO, HCL और MECL का संयुक्त उपक्रम है।
- **अपतटीय खनन:** वर्ष 2024 में सरकार ने निर्माण-रेत सामग्री और बहुधात्विक ग्रंथियों की प्राप्ति हेतु 13 अपतटीय खनिज ब्लॉक्स की पहली नीलामी शुरू की।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्यक्तित्व

विवेक मेनन

चर्चा में क्यों?

- भारतीय वन्यजीव संरक्षणवादी विवेक मेनन को वर्ष 2025 से 2029 के लिए IUCN प्रजाति संरक्षण आयोग (SSC) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

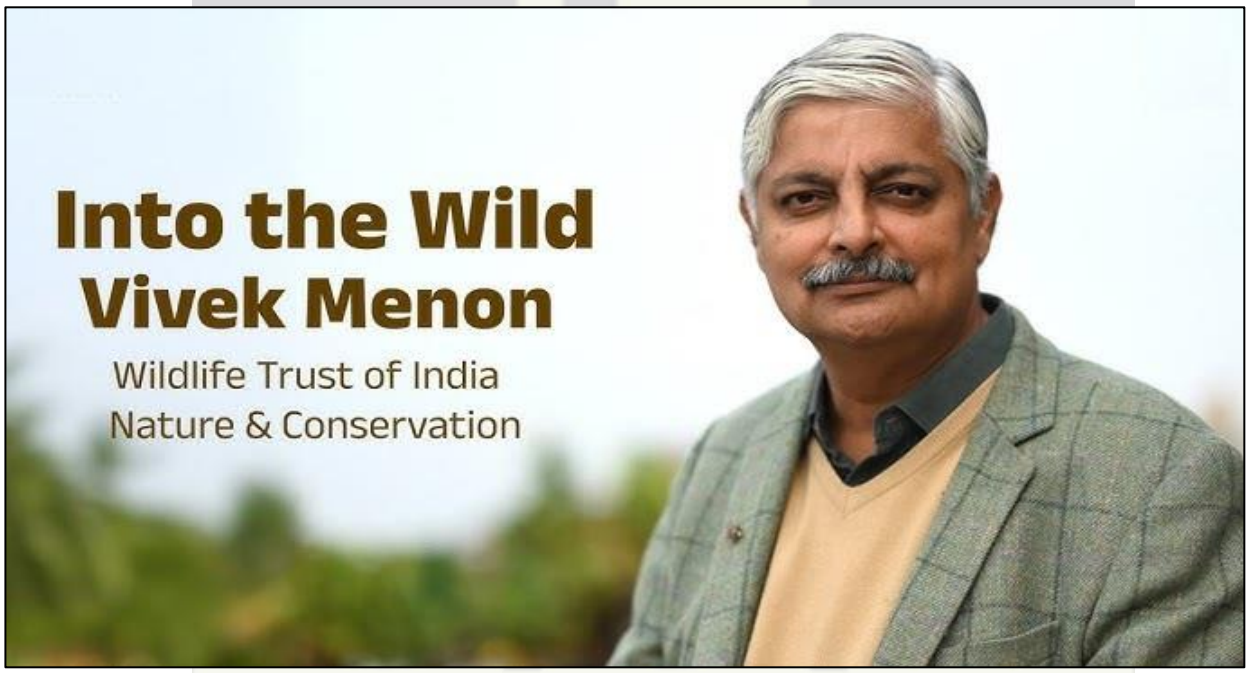

मुख्य बिन्दु:

- मेनन आयोग के इतिहास में इसकी अध्यक्षता करने वाले पहले एशियाई है।

IUCN प्रजाति संरक्षण आयोग-

- **परिचय:** स्पीशीज सर्वाइवल कमीशन (SSC), इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) का सबसे बड़ा व प्रभावशाली वैज्ञानिक नेटवर्क है।
- **स्थापना:** वर्ष 1949 में IUCN के साथ।
- यह IUCN के 6 विशेषज्ञ आयोगों में से एक के रूप में कार्य करता है।
- **कार्य; संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट:** यह प्रजातियों को गंभीर रूप से संकटग्रस्त, कमजोर आदि श्रेणियों में वर्गीकृत करते हुए वैज्ञानिक मूल्यांकन प्रदान करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पुरस्कार

सेल: 8 राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

- देश की सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI) द्वारा 8 प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

- **पुरस्कार वितरण:** 13 से 15 दिसंबर, 2025 तक देहरादून आयोजित 47वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस के दौरान।
- **सेल ने विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष सम्मान हासिल किया-**

क्र.सं.	श्रेणी	योगदान
1.	जनसंपर्क अभियान में AI को सर्वश्रेष्ठ उपयोग	सेल द्वारा निर्मित AI संचालित न्यूज बुलेटिन 'AI सेल ट्रैक' के लिए।
2.	AI का उपयोग करते हुए सर्वश्रेष्ठ विज्ञापन अभियान	महिला विश्व कप, 2025 के दौरान AI से निर्मित प्रभावशाली सेल विज्ञापन अभियान के लिए।
3.	कॉर्पोरेट वेबसाइट	वेबसाइट यूजर्स अनुभव और सूचना की सुलभता के लिए मान्यता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	सबसे प्रभावशाली इवेंट मैनेजमेंट	'इंडिया स्टील-2025' में प्रदर्शनी के प्रभावी निष्पादन के लिए।
5.	मेक इन इंडिया (रक्षा क्षेत्र)	राष्ट्रीय रक्षा में स्वदेशी विनिर्माण के प्रयासों को बढ़ावा देने हेतु।
6.	ई-न्यूज़ लेटर	ओडियो-विजुअल न्यूज़ बुलेटिन 'सेलट्रेक' के इनहाउस प्रोडक्शन और प्रभावी प्रसारण के लिए।
7.	सर्वश्रेष्ठ संचार अभियान (इंटरनल पब्लिक्स)	सेल कार्मिकों को उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित 'AI & U' प्रतियोगिता के लिए।
8.	सस्टेनेबल डेवेलपमेंट	कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट 2023-24 के रचनात्मक डिज़ाइन और लेआउट में उत्कृष्टता के लिए।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल):-

- नई दिल्ली स्थित एक भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र का इस्पात निर्माण निगम है।
- **स्थापना:** 19 जनवरी, 1954 ई.
- **SAIL के भारत में कई एकीकृत इस्पात संयंत्र है जैसे;**
  1. भिलाई इस्पात संयंत्र - छत्तीसगढ़
  2. दुर्गापुर इस्पात संयंत्र – पश्चिम बंगाल
  3. राउरकेला इस्पात संयंत्र – ओडिशा
  4. बोकारो इस्पात संयंत्र - झारखंड
  5. बर्नपुर इस्पात संयंत्र – पश्चिम बंगाल
- SAIL को जनवरी, 2025 से जनवरी, 2026 तक के लिए ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट, इंडिया द्वारा प्रतिष्ठित 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' का दर्जा दूसरी बार प्रदान किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**जीआई टैग प्राप्त देसी नींबू: कर्नाटक** ■ कर्नाटक के विजयपुरा से ओमान को जीआई टैग वाले इंडी लाइम के निर्यात से भारत के कृषि निर्यात को बढ़ावा मिला है। ■ इंडी लाइम अपनी विशिष्ट सुगंध, उच्च रस सामग्री और लंबी शेल्फ लाइफ के लिए जाना जाता है। ■ यह उत्तरी कर्नाटक की कृषि विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।
2.	**स्मृति मंथाना** ■ भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंथाना महिला T-20 में 4,000 रन पूरे करने वाली पहली एशियाई बनी गई है। ■ मंथाना ने 154 मैचों में 4007 रन बनाए। ■ यह उपलब्धि पाने वाली वह दूसरी महिला बल्लेबाज है। ■ **Note-** पहले स्थान पर न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.

काशिवाजाकी कारिवा न्यूक्लियर प्लांट

- जापान ने 15 वर्ष बाद विश्व का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट पुन: शुरू करने की घोषणा की।
- अवस्थिति: निड़गाता क्षेत्र, जापान।
- यह संयंत्र वर्ष 2011 के भूकंप सुनामी के बाद बंद कर दिया गया था।

4.

INSV कौडिन्य

- दिसंबर, 2025 में अजंता की गुफाओं से प्राप्त चित्र के आधार पर 2000 वर्ष पुरानी तकनीक से निर्मित INSV कौडिन्य, भारत के पोरबंदर से ओमान की यात्रा करेगा।
- इस जहाज में इंजन और GPS तकनीक विद्यमान नहीं है।
- भारत सरकार द्वारा वर्ष 2023 में इस प्रोजेक्ट की मंजूरी के बाद गोवा की एक कंपनी ने टाका पद्धति से इस जहाज को तैयार किया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

5. बनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क

- बेंगलुरु के बनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से पहल बार 8 ब्लैक-कैप्ड कैपुचिन बंदर लाए गए है।
- यह प्रजाति भारत में नहीं पाई जाती है।
- **वैज्ञानिक नाम:** सैपजस अपेला।

6. डॉ. किशोर पाकनीकर

- विश्वविद्यालयों में रिसर्च के इको सिस्टम को मजबूत करने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री प्रोफेसरशिप पहली बार वैज्ञानिक डॉ. किशोर पाकनीकर को प्रदान की जाएगी।
- यह अगकर रिसर्च इंसटीट्यूट (ARI) पूणे के पूर्व डायरेक्टर रह चुके हैं।
- **प्रोफेसरशिप प्रदानकर्ता:** अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, भारत सरकार द्वारा।
- रिसर्च हेतु प्रतिमाह 2.5 लाख रु. तथा 24 लाख रुपए प्रतिवर्ष रिसर्च ग्रांट के रूप में 5 वर्ष तक प्रदान की जाएगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR